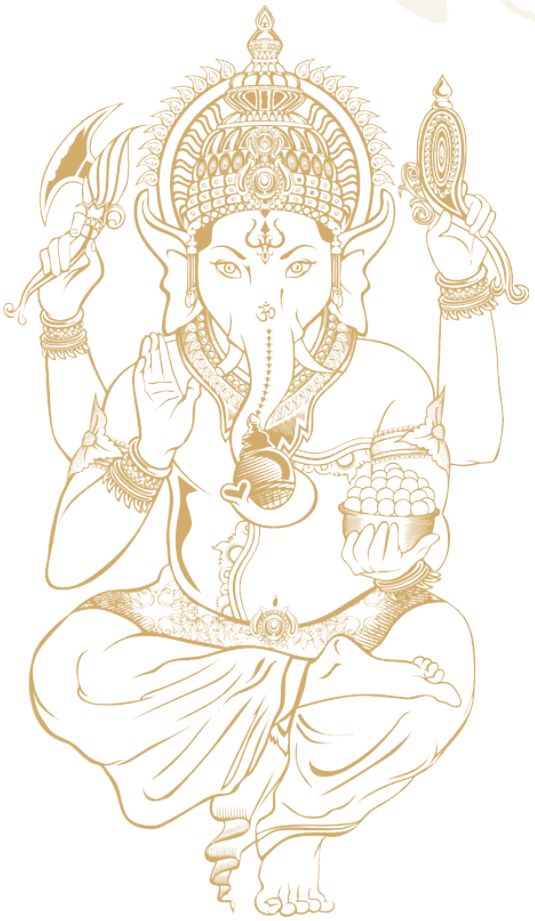

Lankesh

09 Aug 1988

06:30 PM

Sasaram

Model: web-freekundliweb

Order No: 121682604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/08/1988**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**18:30:00 घंटे**
इष्ट	32:41:46 घटी
स्थान	**Sasaram**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:58:00 उत्तर
रेखांश	84:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:36:04 घंटे
वेलान्तर	-00:05:28 घंटे
साम्पातिक काल	15:49:01 घंटे
सूर्योदय	05:25:17 घंटे
सूर्यास्त	18:33:04 घंटे
दिनमान	13:07:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	23:26:41 कर्क
लग्न के अंश	23:36:49 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वज्र
करण	गर
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	23:36:49	432:30:45	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
सूर्य			कर्क	23:26:41	00:57:34	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	20:19:57	12:18:07	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मीन	15:47:32	00:13:30	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
बुध		अ	सिंह	00:12:54	01:56:53	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
गुरु			वृष	09:08:51	00:08:03	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	08:25:13	00:50:27	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि	व		धनु	02:34:31	00:01:57	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	20:36:39	00:04:02	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	20:36:39	00:04:02	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	03:38:23	00:01:17	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
नेप	व		धनु	14:08:02	00:01:10	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	16:10:42	00:00:42	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			वृश्चि	05:45:36	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:58

लग्न-चलित

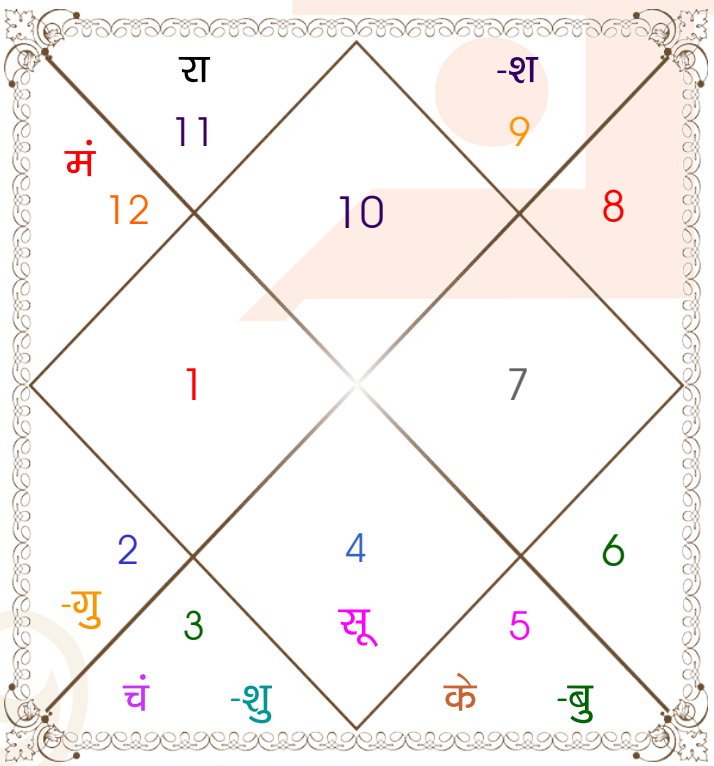

चन्द्र कुंडली

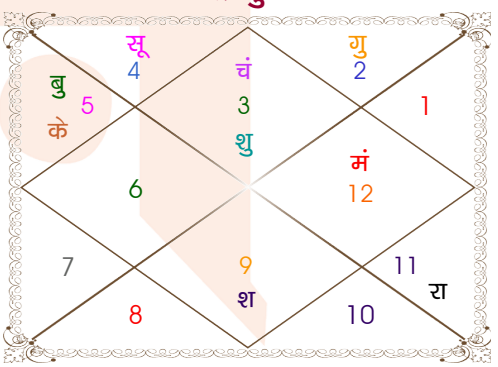

नवमांश कुंडली

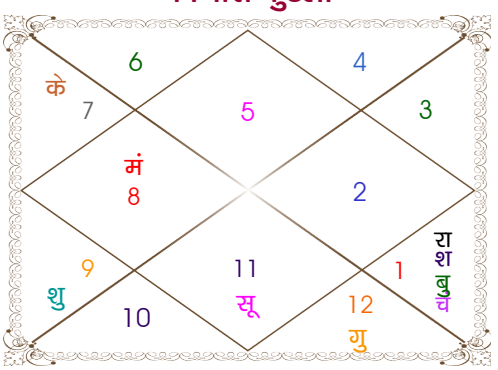

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 7 मास 6 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
09/08/1988		16/03/2004		17/03/2023		16/03/2040		17/03/2047	
16/03/2004		17/03/2023		16/03/2040		17/03/2047		17/03/2067	
गुरु	05/05/1990	शनि	20/03/2007	बुध	13/08/2025	केतु	13/08/2040	शुक्र	17/07/2050
शनि	15/11/1992	बुध	27/11/2009	केतु	10/08/2026	शुक्र	13/10/2041	सूर्य	17/07/2051
बुध	21/02/1995	केतु	06/01/2011	शुक्र	10/06/2029	सूर्य	18/02/2042	चंद्र	17/03/2053
केतु	28/01/1996	शुक्र	08/03/2014	सूर्य	16/04/2030	चंद्र	19/09/2042	मंगल	17/05/2054
शुक्र	28/09/1998	सूर्य	18/02/2015	चंद्र	16/09/2031	मंगल	15/02/2043	राहु	17/05/2057
सूर्य	17/07/1999	चंद्र	18/09/2016	मंगल	12/09/2032	राहु	04/03/2044	गुरु	16/01/2060
चंद्र	15/11/2000	मंगल	28/10/2017	राहु	01/04/2035	गुरु	08/02/2045	शनि	17/03/2063
मंगल	22/10/2001	राहु	03/09/2020	गुरु	07/07/2037	शनि	20/03/2046	बुध	15/01/2066
राहु	16/03/2004	गुरु	17/03/2023	शनि	16/03/2040	बुध	17/03/2047	केतु	17/03/2067

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
17/03/2067		17/03/2073		17/03/2083		17/03/2090		17/03/2108	
17/03/2073		17/03/2083		17/03/2090		17/03/2108		00/00/0000	
सूर्य	05/07/2067	चंद्र	15/01/2074	मंगल	13/08/2083	राहु	27/11/2092	गुरु	10/08/2108
चंद्र	03/01/2068	मंगल	16/08/2074	राहु	31/08/2084	गुरु	23/04/2095		00/00/0000
मंगल	10/05/2068	राहु	15/02/2076	गुरु	07/08/2085	शनि	27/02/2098		00/00/0000
राहु	04/04/2069	गुरु	16/06/2077	शनि	16/09/2086	बुध	16/09/2100		00/00/0000
गुरु	21/01/2070	शनि	15/01/2079	बुध	13/09/2087	केतु	05/10/2101		00/00/0000
शनि	03/01/2071	बुध	16/06/2080	केतु	09/02/2088	शुक्र	04/10/2104		00/00/0000
बुध	10/11/2071	केतु	15/01/2081	शुक्र	10/04/2089	सूर्य	29/08/2105		00/00/0000
केतु	16/03/2072	शुक्र	16/09/2082	सूर्य	16/08/2089	चंद्र	28/02/2107		00/00/0000
शुक्र	17/03/2073	सूर्य	17/03/2083	चंद्र	17/03/2090	मंगल	17/03/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 7 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में मकर लग्न के उदय काल में हुआ था। जन्म लग्न के समय पूर्वीय क्षितिज पर सिंह राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादि के प्रभाव की ज्योतिषीय आकृति से यह दृष्टिगत हो रहा है कि आपके जन्म प्रभाव के फलस्वरूप आपका जीवन धन, प्रतिष्ठा एवं शक्ति से संपन्न गुणों का प्रतिनिधित्व करायेगा। परंतु आप मन में ऐसी भावना लेकर निश्चिंत न होंवे कि क्योंकि आपके जन्म का जो प्रभाव है वह आपकी परिस्थिति के अनुकूल है इसलिए सब कुछ स्वतः ठीक हो जाएगा। ऐसा न समझे। आपको सफलता की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। अर्थात् आपकी सफलता का श्रेय आपके परिश्रम और आपकी सच्ची लग्न पर निर्भर करता है।

आपकी महत्वकांक्षा के प्रति आपकी कार्यदक्षता एक अनुग्रहणीय गुण से युक्त है। आप अच्छी प्रकार यह जानते हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान की शक्ति से कुशाग्र बुद्धिमत्ता द्वारा अपनी योजना के प्रति समर्पित होकर उस कार्य योजना को लाभदायक एवं धन प्रदायक बना कर प्रस्तुत कर सकते हैं जो सुदृढ़ सुनिश्चियात्मक है। यदि आप ऐसा करें तो इसकी संभावना से विजयोल्लासित हो सकते हैं।

इस प्रकार आप लाभजनक स्थिति में आ सकते हैं। आप जीवन के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष की आयु के मध्य आपकी उन्नति एवं आपका भविष्य अन्यों की अपेक्षा उत्तम एवं प्रमुख नक्षत्र की भांति चमत्कृत होगा। आप अपनी वृद्धा अवस्था काल सहजतापूर्वक धन संचय संबंधी भवन का निर्माण कर सकते हैं।

आपकी पत्नी आपकी सीखभरी गुण युक्त निर्देशन प्राप्त करेंगी। क्योंकि लोग आपके पास पहुंच कर महत्वपूर्ण विषयों पर निर्देशन प्राप्त करेंगे। आप मात्र उचित सम्मति ही नहीं प्रदान करेंगे बल्कि आप जरूरतमंद लोगों को धन संबंधी उचित स्रोत की भी व्यवस्था करेंगे। आप निश्चय पूर्वक दान सेवी संस्था को दान भी देंगे। क्योंकि आपका झुकाव धर्म की ओर भी रहता है। इस कारणवश आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण एवं परिदर्शन भी करेंगे।

आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति थोड़ी बहुत सतर्कता बरतनी चाहिए। यद्यपि आप स्वास्थ्य प्रसन्न एवं दीर्घजीवी प्राणी हैं। परंतु ऐसी आशंका है कि आप संबंधित रोगादि से प्रभावित भी हो सकते हैं। यथा चर्मरोग, अपाचन प्रक्रिया एवं क्षयरोगादि। इस संबंध में आप रूचिपूर्वक इस विधान को अंगीकृत करते हैं कि स्वस्थ्य रहने के लिए सतर्कता बरतनी चाहिए। आप सदैव उन संभावित दुर्घटनादि की अनदेखी न करें। जो सामान्य रूप से शरीर में छोटी-मोटी चोटादि होते रहते हैं।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग त्याज्य है। परंतु आपके लिए सफेद, लाल, काला एवं नीला रंग सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए अंकों में 3 अंक सर्वथा प्रतिकूल है। परंतु आपके लिए अनुकूल अंक

6, 8 एवं 9 अंक है। यह सभी महत्वपूर्ण कार्यो के संपादन हेतु लाभजनक है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वोत्तम दिन है। परंतु रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन आपके लिए सर्वथा प्रतिकूल है।